दुनियाभर में एक अरब लोग घरों में हुए कैद

कोरोना का प्रकोप ▶ कई देशों में कर्फ्यू जैसे हालात, आवाजाही, स्कूल और कारोबार पूरी तरह ठप

वैश्विक स्तर पर संक्रमितों का आंकड़ा 2.75 लाख के पार, 11 हजार से ज्यादा मौत

रोम, एजेंसियां : कोरोना वायरस की चपेट में आई लगभग पूरी दुनिया में कर्फ्यू जैसे हालात हो गए हैं। कई देशों ने इस महामारी की रोकथाम के लिए लॉकडाउन जैसे सख्त कदम उठाने के साथ ही अपने यहां विदेशी नागरिकों के आने पर रोक लगा दी है। सीमाएं सील कर दी गई हैं। उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। इसके चलते कई देशों में सड़कें सूनी हो गईं और बाजार बंद हो गए। करीब एक अरब लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। विश्व के 185 देशों में फैल चुका यह खतरनाक वायरस अब तक 11 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है। दो लाख 75 हजार से ज्यादा संक्रमित हो गए हैं।

इस वैश्विक महामारी ने पूरे विश्व में जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बड़ी आबादी की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। स्कूल और कारोबार बंद हो गए और लाखों लोग घरों से काम करने को विवश हैं। जबकि बहुतों की आजीविका तक छिन गई है। एक अनुमान के अनुसार, करीब 35 देशों में 90 करोड़ से ज्यादा लोग अपने घरों से बाहर निकल नहीं पा रहे हैं। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित छह करोड़ की आबादी वाले इटली में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं। इटली के बाद यूरोप में कई दूसरे देश भी कोरोना के प्रकोप से जूझ रहे हैं। इटली, फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन समेत कई दूसरे यूरोपीय देशों में लॉकडाउन की स्थिति है। लोगों को घरों में ही रहने की हिदायत दी गई है। इसका उल्लंघन करने पर जुर्माने की भी चेतावनी दी गई है। जर्मनी में बवेरिया प्रांत को लॉकडाउन कर दिया गया है। अमेरिका के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया समेत सात राज्यों में आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इससे करीब दस करोड़ लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं।

दुनिया में इस समय कोरोना वायरस की मार सबसे ज्यादा इटली पर पड़ रही है। प्रशासन ने यहां सुरक्षा के मद्देनजर बंद का आह्वान किया है। हमेशा पर्यटकों से गुलजार रहने वाले मिलान शहर स्थित डुओमो गॉथिक कैथेड्रल में अब केवल सैनिक ही गश्त करते नजर आते हैं। एपी

ब्रिटेन में पब, सिनेमा और रेस्तरां बंद : ब्रिटेन में भी कोरोना वायरस पर अंकुश पाने के लिए शनिवार से सब कुछ बंद कर दिया गया। सरकार ने पब, बार, कैफे, नाइटक्लब, जिम, सिनेमा और रेस्तरां समेत सभी सार्वजनिक स्थानों को बंद करने को कहा है। पीएम बोरिस जॉनसन ने कहा कि लोगों को एकजुट करने वाले सभी स्थानों को बंद किया जाना चाहिए।

फ्रांस में चार हजार लोगों पर जुर्माना : फ्रांस में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए कई सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं। उल्लंघन पर जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। पाबंदियों के उल्लंघन पर चार हजार से ज्यादा लोगों पर जुर्माना लगाया जा चुका है।

ईरान में मरने वालों की संख्या डेढ़ हजार के पार : ईरान में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या डेढ़ हजार के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मुल्क में 123 और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया। इसे लेकर मरने वालों का आंकड़ा 1,556 हो गया है। 966 लोग और संक्रमित पाए गए हैं।

टीवी स्टार कोल्टन अंडरवुड भी संक्रमित : अमेरिकी रियलिटी टीवी स्टार कोल्टन अंडरवुड भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उनका टेस्ट पॉजिटिव आया है। 'द बैचलर' के पूर्व अभिनेता ने इंस्टाग्राम पेज के जरिये अपनी बीमारी की जानकारी साझा की।

लैटिन अमेरिकी देश क्यूबा और बोलीविया ने अपनी सीमाएं बंद कीं

कोलंबिया ने लॉकडाउन का एलान किया, आइसोलेशन अनिवार्य करेगा

जार्डन में तीन दिन के लिए कर्फ्यू, दुकानें बंद और लोगों को घरों में रहने का आदेश

सर्वाधिक प्रभावित देश

देश	मौत	संक्रमित
इटली	4,032	47,021
चीन	3255	81,008
ईरान	1,556	20,610
स्पेन	1,093	21,510
फ्रांस	450	12,612
अमेरिका	261	19,498
ब्रिटेन	177	3983
नीदरलैंड्स	106	2994
दक्षिण कोरिया	94	8652
जर्मनी	65	19,073

'वायरस के खतरे को समझें, खुद को अजेय न मानें'

डब्ल्यूएचओ ने किया आगाह

▶ कहा–इस बीमारी को हराने के लिए संयम और एकजुटता जरूरी

▶ लॉकडाउन में रहना पड़े तो अच्छी आदतों का पालन करें

जेनेवा, एजेंसियां : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने युवाओं को कोरोना वायरस से फैली बीमारी के खतरे से आगाह करके हुए कहा है कि वे खुद को अजेय न समझें।

डब्लूएचओ के प्रमुख टेड्रोस एडहैनम घेब्रेयिसस ने एक प्रेस कांफ्रेस में कहा कि इस महामारी ने पूरी दुनिया में लोगों की जिंदगी बदल कर रख दी है। बड़ी आबादी की गतिविधियां थम गई हैं। स्कूल, कालेज, दफ्तर और व्यवसाय बंद हो गये हैं। लाखों लोग घर से काम करने को मजबूर हैं जबकि कई पूरी तरह से अपनी जीविका खो चुके हैं। इस वक्त दुनिया भर में सबसे खराब हालात इटली के हैं। यहां चीन से भी ज्यादा 4,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया भर में अब तक इस बीमारी से मरने वालों की तादाद 11,000 से अधिक हो चुकी है।

बुजुर्गों पर इस वायरस का ज्यादा कहर टूटा है। लेकिन इसके शिकार होने में युवा भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कि मेरे पास युवाओं के लिए एक ही संदेश है आप अजेय नहीं हैं। यह वायरस आपको हफ्तों तक अस्पताल में रख सकता है यहां तक कि यह आपको मार भी सकता है। अगर आप खुद बीमार नहीं पड़ते लेकिन कहीं जाते हैं किसी से मिलते हैं तो आप उनके लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि संयम से इस बीमारी से बचा जा सकता है। इसे हराने के लिए एकजुटता महत्वपूर्ण है। देशों के ही नहीं बल्कि समूहों में भी एकजुटता जरूरी है। एक जिंदगी का भी जाया होना एक त्रासदी है। हमें एक-एक जान बचाने के लिए दोगुनी ताकत से जुटना होगा। इस बीमारी को फैलने से रोककर हम बहुत सी जानें बचा सकते हैं।

डब्ल्यूएचओ के प्रमुख ने कहा कि चीन में कोरोनोवायरस के मामलों में गिरावट सभी देशों के लिए अच्छी खबर है। वुहान में नये मामले सामने आने बंद हो गये हैं। इससे दुनिया भर में नई उम्मीद जगी है। लेकिन हमें सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यह स्थिति उलट भी सकती है। इस वायरस को पीछे धकेलने वाले शहरों और देशों का अनुभव हम लोगों को उम्मीद और हिम्मत देता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े लोग दिन-प्रतिदिन इस वायरस के बारे में सीख रहे हैं। इस बीमारी से बुजुर्ग सर्वाधिक प्रभावित हैं लेकिन युवा भी पीछे नहीं। कई देशों के अनुभव से पता चलता है बुजुर्ग मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत ज्यादा पड़ी।

डब्लूएचओ के प्रमुख ने कहा कि यदि किसी को लॉकडाउन करने की नौबत आती है तो उसे उस दौरान अच्छी आदतों का पालन करना चाहिये। उसे कसरत करना चाहिये। लोगों से दूरी बनाकर रहना चाहिये और धूमपान आदि नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी सलाह दी कि लोगों को केवल कोरोनोवायरस के आंकड़ों और संभावित उपचारों के बारे में विश्वसनीय जानकारी पर ही भरोसा करना चाहिए।

अमेरिका में दोगुना हुए मामले, 230 लोगों की मौत, प्रमुख शहर बंद

▶ घरों में कैद हुई दस करोड़ की आबादी, बंद किए गए गैर जरूरी कारोबार

न्यूयॉर्क, एएफपी : अमेरिका में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। पिछले तीन दिनों में पीड़ितों की संख्या बढ़कर दोगुना से ज्यादा यानी 19 हजार से अधिक हो गई है। 230 पीड़ितों की मौत भी हो चुकी है। वायरस पर अंकुश लगाने के प्रयास में कैलिफोर्निया के बाद न्यूयॉर्क और इलिनोइस राज्यों में भी आवाजाही और कारोबारी गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। इन राज्यों के न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस और शिकागो जैसे प्रमुख शहर भी बंद हो गए हैं। पाबंदियों के चलते इन राज्यों की करीब दस करोड़ आबादी घरों में कैद हो गई है।

न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने शुक्रवार को राज्य में सभी गैर जरूरी कारोबारों को बंद करने के साथ ही लोगों के जमावड़े पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया। इससे पहले कैलिफोर्निया में लॉकडाउन का एलान किया गया था। न्यूजर्सी, नवादा, कनेक्टिकट और पेंसिल्वेनिया राज्यों में भी ऐसे ही उपाय किए गए हैं।

रूस, ईरान और चीन पर लगाया दुष्प्रचार का आरोप : अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने रूस, ईरान और चीन पर आरोप लगाया है कि ये देश कोरोना वायरस को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों को सोशल मीडिया पर इसके प्रति जागरूक रहने की अपील की है।

उपराष्ट्रपति पेंस की टीम का सदस्य संक्रमित : अमेरिकी उपराष्ट्रपति माइक पेंस की टीम का एक सदस्य कोरोना वायरस की चपेट में आ गया है। उसका टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। व्हाइट हाउस में यह पहला मामला बताया जा रहा है। पेंस की प्रेस सचिव कैटी मिलर ने एक बयान में कहा, 'ना तो राष्ट्रपति ट्रंप और ना ही उपराष्ट्रपति उसके करीबी संपर्क में आए।'

एंडी कोहेन का टेस्ट पॉजिटिव : अमेरिकी सेलेब्रिटी टेलीविजन होस्ट एंडी कोहेन का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिये इस खबर को साझा किया है। वह 'वाच वाट हैपेंस लाइव' टाक शो के होस्ट हैं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर साधा चीन पर निशाना

अमेरिका में कोरोना वायरस तेजी से फैलने के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि उनका देश महामारी के खिलाफ जंग जीत रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पूरे अमेरिका में लॉकडाउन की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही ट्रंप ने चीन पर फिर निशाना साधते हुए कहा, 'मेरा चीन और यहां के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से अच्छे संबंध हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि इसी देश से कोरोना वायरस शुरू हुआ और नियंत्रण से बाहर हो गया।

भारतीय दूतावासों ने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

पेरिस, प्रेट्र : दुनियाभर में भारतीय दूतावासों ने एडवाइजरी जारी कर अपने नागरिकों को सचेत रहने की सलाह दी है। साथ ही कोरोना वायरस को लेकर चिंतित भारतीय नागरिकों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी शुरू किया है।

अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, ग्रीस, फिनलैंड, इजरायल, मेडागास्कर, जापान, वियतनाम, रूस, क्यूबा, ब्राजील और स्विटजरलैंड जैसे देशों में भारतीय दूतावासों ने परामर्श जारी किया है।

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने अपने उन नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जो 22 मार्च से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भारत की ओर से लगने वाले प्रतिबंध से पहले स्वदेश लौटना चाहते हैं। ूतावास ने ट्वीट के जरिये कतर एयरवेज की उस उड़ान के बारे में जानकारी दी है, जो प्रतिबंध की समय सीमा से पहले पेरिस से उड़ान भरेगी। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने की सलाह दी है।

पाक में 500 से अधिक पीड़ित, इमरान का लॉकडाउन से इन्कार

इस्लामाबाद, एएनआइ : कोरोना वायरस के प्रकोप पर अंकुश लगाने के लिए दुनिया के कई देश लॉकडाउन जैसे सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हट रहे हैं। पाकिस्तान में भी पीड़ितों की संख्या 500 के पार पहुंच गई है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री इमरान खान ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन से इन्कार कर दिया है। उन्होंने आवागमन के लिए अफगानिस्तान से लगती पाकिस्तान की एक सीमा भी खोलने का आदेश दिया है। इस बीच वायरस पर अंकुश लगाने के प्रयास में बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार ने प्रांत में 21 दिनों के लिए आंशिक लॉकडाउन का एलान किया है।

जियो न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान में अब तक 501 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें से 252 मामले सिंध प्रांत में सामने आए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ते मामलों के मद्देनजर पूरे पाकिस्तान को लॉकडाउन कर देना चाहिए। लेकिन इमरान ने कहा, 'लॉकडाउन का मतलब कर्फ्यू जैसे हालात से होता है। इससे मुल्क में अशांति पैदा हो जाएगी और हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते। इससे गरीबों की परेशानी बढ़ जाएगी। हम आर्थिक पैकेज के मामले में दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, लेकिन हम कोरोना वायरस के प्रभाव से अपने निम्न और श्रमिक वर्ग की सुरक्षा करेंगे।' विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कि जरा-सी असावधानी पूरे देश को खतरे में डाल सकती है।

उपकरणों की कमी, डॉक्टरों ने दी हड़ताल की धमकी

पाकिस्तान में कोरोना वायरस से मुकाबले में चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी सामने आ रही है। इस्लामाबाद के चार सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों ने धमकी दी है कि अगर उन्हें निजी सुरक्षात्मक उपकरण मुहैया नहीं कराए गए तो वे मंगलवार से कामकाज बंद कर हड़ताल कर देंगे।

वाट्सअप पर डब्लूएचओ के हेल्थ अलर्ट कर रहे सावधान

नई दिल्ली, आइएएनएस : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने शनिवार को व्हाट्सएप पर एक हेल्थ अलर्ट लॉन्च किया। इस पर 1.5 अरब से अधिक उपयोगकर्ता सवाल पूछ सकते हैं। उन्हें नए कोरोनोवायरस कोविड-19 के बारे में 24 घंटे विश्वसनीय जानकारी दी जा रही हैं। यह जानकारी उन सरकारी अधिकारियों के लिए भी बड़े काम की हैं जो इस समय इस अभियान में लगे हुई हैं।

वाट्सअप की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि डब्लूएचओ हेल्थ अलर्ट से संपर्क करने के लिए अपने फोन में नंबर +41 79 893 1892 सेव करें, और फिर वाट्सअप संदेश में 'हाय' शब्द टेक्स्ट करें। हाय का संदेश भेजते ही तत्काल संकेतों के माध्यम से जानकारी लेने का संदेश आता है। हर सूचना के लिए एक खास इमोजी संकेत दिया गया है। जिसे भेजने पर उस विषय की सूचना भेज दी जायेगी। नवीनतम जानकारी दैनिक रूप से अपडेट की जाएगी।

मृत्युदंड पर रोक लगाएं सभी देश : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र ने सभी देशों से मौत की सजा को रोकने या इस पर प्रतिबंध लगाने की अपील की है। निर्भया मामले के चार दोषियों मुकेश सिंह (32), पवन गुप्ता (25), विनय शर्मा (26) और अक्षय कुमार सिंह (31) को तिहाड़ जेल में फांसी पर लटकाए जाने के एक दिन बाद यह अपील की गई है।

फांसी पर प्रतिक्रिया देते हुए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतेरस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि वैश्विक संगठन सभी देशों से मौत की सजा का इस्तेमाल बंद करने या इस पर प्रतिबंध लगाने की अपील करता है। दुजारिक ने नियमित संवाददाता सम्मेलन के दौरान शुक्रवार को कहा, 'इस विषय पर हमारा रुख स्पष्ट है। हम सभी राष्ट्रों से मौत की सजा का इस्तेमाल बंद करने या इस पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं।' 16 दिसंबर, 2012 को हुई इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया था। यह पहली बार था, जब चार लोगों को तिहाड़ जेल में एक साथ फांसी पर लटकाया गया।

चीन में लगातार तीसरे दिन नहीं आया कोई नया मामला

▶ सात और कोरोना पीड़ितों ने दम तोड़ा, मरने वालों की संख्या 3,255 हुई

बीजिंग, प्रेट्र : चीन में लगातार तीसरे दिन कोरोना वायरस का कोई नया मामला सामने नहीं आया, लेकिन सात और पीड़ितों के मरने की खबर है। ये सभी मौतें हुबेई में हुईं। इसे लेकर चीन में अब तक मरने वालों की संख्या 3255 हो गई। मध्य चीन के हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान से ही खतरनाक कोरोना वायरस का प्रकोप शुरू हुआ था। यहां से अब यह लगभग पूरी दुनिया में पहुंच चुका है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्थानीय स्तर पर संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया। हालांकि 41 नए मामलों की पुष्टि हुई है, लेकिन ये सभी विदेश से आए लोग हैं। ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 269 हो गई है। इन्हें लेकर चीन में संक्रमित लोगों का आंकड़ा 81,008 हो गया है। इनमें से 71,740 को अस्पतालों से छुट्टी मिल गई है। 6,013 का अभी इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य जानकारों को उम्मीद है कि देश में अब जल्द ही हालात सामान्य हो जाएंगे।

पाबंदियों में दी जा रही ढील

समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार, कोरोना वायरस पर अंकुश लगने के बाद चीन में अब पाबंदियों में ढील दी जाने लगी है। अधिकारियों ने बताया कि वायरस के केंद्र वुहान में लोग अपने आसपास के परिसरों में जा सकते हैं। रिहायशी इलाकों में दुकानों को फिर से खोलने की इजाजत भी दी गई है। सवा करोड़ की आबादी वाले वुहान समेत पूरे हुबेई प्रांत में तमाम पाबंदियां लगाने के साथ ही गत 23 जनवरी से आवाजाही बंद कर दी गई थी।

ईरान और फ्रांस के बीच कैदियों की अदला–बदली

पेरिस, एएफपी : ईरान ने करीब एक साल से कैद फ्रांस के एक शोधकर्ता को रिहा कर दिया है। यह जानकारी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दी है। फ्रांस ने शोधकर्ता रोलैंड मार्शल (64) की सहयोगी फरीबा अडेल्खा को भी जल्द रिहा करने का ईरान से अनुरोध किया है। फ्रांसीसी शोधकर्ता की रिहाई शुक्रवार को फ्रांस से ईरानी इंजीनियर की रिहाई के बदले की गई है।

फ्रांस पिछले कई महीनों में मार्शल और उनकी सहयोगी फरीबा (60) की रिहाई की मांग कर रहा था। इन दोनों को 2019 में ईरान के खिलाफ षडयंत्र रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इनके खिलाफ चालू मार्च महीने में अदालत में सुनवाई भी शुरू हो गई थी। फरीबा के पास ईरान और फ्रांस की दोहरी नागरिकता है लेकिन ईरान उसे अपनी ही नागरिक मानता है। ईरान ने हाल के महीनों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के साथ भी कैदियों की अदला-बदली की है।

अमेरिका में बच्चों के लिए बढ़ी मुश्किल

▶ कई राज्यों में कोरोना के कारण बहुत दबाव में हैं बच्चे

▶ खतरे को भांप संपर्क करने के नियमों में किया जा रहा है बदलाव

वाशिंगटन, रायटर : कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते अमेरिका में कई इलाकों में लॉकडाउन के कारण बच्चों के कल्याण के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं को अपने काम-काज के तौर-तरीके बदलने पड़ रहे हैं। खासकर उन्हें सोशल डिस्टेंसिंग (एक-दूसरे से पर्याप्त दूरी बनाए रखना) के कारण नए तौर-तरीकों का सहारा लेना पड़ रहा है।

न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, इलिनाय और ओरेगन जैसे राज्यों में बच्चों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपने संगठनों पर दबाव डालकर नियमों में बदलाव करने का दबाव बनाया है। इन कार्यकर्ताओं का कहना है कि हम बच्चों के कितने निकट जाएं कि न तो हमारे जीवन के लिए कोई खतरा पैदा हो और न ही बच्चों की देख-भाल में कोई कसर रहे।

मैसाचुसेट्स राज्य के चाइल्ड एक्टिविस्ट पीटर मैकिनन ने बताया कि कोरोना संकट के कारण हम लोगों को बहुत से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। सामाजिक कार्यों का बीस साल का तजुर्बा रखने वाले पीटर का कहना है कि हम अपने कामकाज में कई ऐसे तरीके आजमा रहे हैं जिनकी सामान्य स्थिति में इजाजत संभव नहीं है।

बच्चों के अधिकारों और हित से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय बच्चों के लिए काफी मुश्किल है। देश भर के स्कूल बंद हैं और बच्चों को अपने परिवार के साथ घरों में कैद रहना पड़ रहा है। कई घरों में रोजगार छिनने, घरेलू हिंसा या किसी सदस्य की बीमारी के कारण बच्चे दबाव में जी रहे हैं।

अमेरिका के ज्यादातर राज्यों में बच्चों के कल्याण से जुड़े विभागों व संगठनों के कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर कोरोना के लक्षण वाले बच्चों का पता करने को कहा गया हैं। उन्हें सलाह दी गई है कि वे पहले फोन करके किसी के घर जाएं ताकि उन्हें किसी तरह की दिक्कत न हो।

दुबई में भारतीय छात्र ने बनाया सैनिटाइजर रोबोट

दुबई, एजेंसियां : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कोरोना वायरस के संक्रमण को दूर करने के मकसद से सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक भारतीय छात्र ने एक रोबोट बनाया है। 'सुरक्षित रहें स्वच्छ रहें' के नारे को बुलंद करता यह रोबोट लोगों के हाथों पर 30 सेंटीमीटर की दूरी से सैनिटाइजर डालता है। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार दुबई में स्प्रिंग डेल स्कूल के एक छात्र सिद्ध संघवी ने शनिवार को बताया कि उसकी मां ने उसे एक वीडियो दिखाया था जिसमें लोग हैंड सैनिटाइजर की बोतल को हाथ से छूकर हाथ सैनिटाइजर कर रहे थे और क्रोरोना के संक्रमण का शिकार हो रहे थे। छात्र सिद्ध सिंघवी ने बताया कि इससे हाथ साफ करने का मकसद ही खत्म हो जाता है। चूंकि संक्रमित सतह को छूने से भी कोरोना वायरस फैलता है।

दिखाई ताकत

उत्तर कोरिया ने कोरोना संकट के बीच किया मिसाइल परीक्षण

तानाशाह किम जोंग उन की मौजूदगी में छोड़ी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलें, दक्षिण कोरिया ने जताया कड़ा एतराज

सियोल, एजेंसियां : ऐसे समय जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस संकट से जूझ रही है, उस वक्त उत्तर कोरिया मिसाइल परीक्षण में जुटा है। इस जानलेवा वायरस के खतरे से बेपरवाह प्योंगयांग ने शनिवार को समुद्र में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। इस दौरान उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग उन भी मौजूद थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस पर कड़ा एतराज जताया है। उसने कहा है कि ऐसे समय जब पूरी दुनिया कोरोनावायरस की महामारी से जूझ रही है, तब इस तरह के परीक्षण पूरी तरह अनुचित है। सेना ने कहा है कि वह स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बता दें कि सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (देश की संसद) का सत्र 10 अप्रैल को आयोजित करने की घोषणा के थोड़ी देर बाद यह परीक्षण किए गए। अगले महीने होने वाले संसद के इस सत्र में उत्तर कोरिया के लगभग 700 नेता शामिल होंगे।

उत्तर कोरिया ने दुनिया में छाए कोरोना संकट के बीच कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में टीवी पर परीक्षण देखते लोग। एएफपी

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' के मुताबिक, इन मिसाइलों का परीक्षण उत्तर कोरिया के पश्चिमी इलाके सोनचोन के किसी गुप्त स्थान से शनिवार सुबह 6:45 और 6:50 बजे किया गया। समुद्र में गिरने से पहले इन मिसाइलों ने लगभग 460 किलोमीटर की दूरी तय की। जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह मिसाइलें उसके क्षेत्र में नहीं गिरीं। उत्तर कोरिया ने इस महीने की शुरुआत में फायरिंग ड्रिल के हिस्से के रूप में कई मिसाइलें दागी थीं।

अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उत्तर कोरिया ने किस तरह की मिसाइलों का परीक्षण किया है। हालांकि दक्षिण कोरिया और जापानी सैन्य विशेषज्ञों द्वारा जारी किए गए फ्लाइट डाटा के आंकड़ों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने सॉलिड फ्यूल मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया है।

सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के हथियार संभवतः दक्षिण कोरिया और जापान पर हमले को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इनके निशाने पर इन दोनों देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने भी होंगे। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि महामारी से ध्यान बंटाने के लिए उत्तर कोरिया ने यह परीक्षण किए हैं। बता दें कि अभी तक उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

प्रतिनिधि सभा के प्राइमरी चुनाव में जीते राजा कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन, प्रेट्र : भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने इलिनोइस से प्रतिनिधि सभा में चुने जाने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवारी के लिए हुए प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर ली है। कृष्णमूर्ति इलिनोइस की 'आठवीं कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट' से प्रतिनिधि सभा में तीसरी बार चुने जाने के लिए अब नवंबर में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। बता दें कि रिपब्लिकन पार्टी का प्राइमरी चुनाव 17 मार्च को होना था, लेकिन उसे रद कर दिया गया है।

कृष्णमूर्ति अपने निर्वाचन क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने 80 प्रतिशत मतों के साथ प्राइमरी में जीत हासिल की, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी विलियम ओल्सन को मात्र 13 फीसद वोट मिले। कृष्णमूर्ति ने एक ई-मेल के जरिये अपने समर्थकों से कहा, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे अमेरिकी संसद में एक बार फिर इलिनोइस की आठवीं कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से प्रत्याशी बनने का मौका मिला।'

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति की फाइल फोटो (एपी)

उन्होंने कहा, 'यदि फिर चुना गया तो मैं संसद में आपकी प्राथमिकताओं के लिए लड़ाई जारी रखूंगा। हम कोरोना वायरस से लड़ रहे हैं, ऐसे में मैं आपको और सभी अमेरिकियों को सुरक्षित रखने की कोशिश करूंगा।'